পূজনীয় শ্রীমৎ স্বামী দিব্যানন্দজী মহারাজের কাছে দীক্ষা নিতে ইচ্ছুক ব্যক্তিদের প্রতি নির্দেশ।

- প্রথমত দীক্ষা গ্রহনে ইচ্ছুক ব্যক্তিদের দীক্ষার জন্য নির্ধারিত বইগুলি অবশ্যই ভালোভাবে পড়তে হবে।

- বইগুলি ভালোভাবে পড়া হয়ে গেলে উদ্যানবাটীর অফিসে এসে যোগাযোগ করতে হবে। তখন আমরা নির্দিষ্ট বইগুলি থেকে সাধারণ কিছু প্রশ্ন করবো তার উত্তর সঠিকভাবে দিতে পারলে দীক্ষার জন্য আমরা নাম নথিভুক্ত করে নেব।

- নাম নথিভুক্ত হয়ে গেলে আমরা আপনার ক্রমিক সংখ্যা অনুযায়ী দীক্ষার আবেদন পত্র পূরণের জন্য উদ্যানবাটীতে আসতে বলা হবে। ওই দিন আপনার দীক্ষার তারিখ এবং দীক্ষার দিনে কী কী করণীয়তা বলে দেওয়া হবে।

माननीय श्रीमत स्वामी दिवानन्दजी महाराज द्वारा दीक्षा लेने के इच्छुक लोगों के लिए निर्देश।

- सबसे पहले जो लोग दीक्षा लेना चाहते हैं उन्हें दीक्षा के लिए निर्धारित पुस्तकों को अच्छे से पढ़ना चाहिए।

- किताबों को अच्छे से पढ़ने के बाद आपको उद्यानबाटी के कार्यालय में आकर संपर्क करना चाहिए। फिर हम विशिष्ट पुस्तकों से कुछ सामान्य प्रश्न पूछेंगे और यदि आप उनका सही उत्तर दे सकते हैं, तो हम आपको दीक्षा के लिए नामांकित करेंगे।

- एक बार नाम पंजीकृत हो जाने के बाद हम आपको आपके क्रम के अनुसार दीक्षा फॉर्म भरने के लिए उद्यानबाटी आने के लिए कहेंगे। उस दिन आपको आपकी दीक्षा की तारीख बताई जाएगी और दीक्षा के दिन क्या करना है।

Instructions for initiation (Diksha) from Revered Srimat Swami Divyanandji Maharaj.

- First of all, the aspirants should thoroughly read the books selected for initiation.

- After the books are well-read, you must contact the office of Udyanbati. We will then ask some simple questions from those specific books, and if one can answer them correctly, we will enroll his/her name for initiation.

- Once the name is registered, we will ask you to come to Udyanbati to fill out the initiation form in your serial order. Then we will inform you about the initiation day and what to do on that day.